हाटी आन्दोलन: संक्षिप्त घटनाक्रम

1. वर्ष 1979	राष्ट्रीय अनुसूचित जाति व अनुसूचित जनजाति द्वारा तत्कालीन विधान सभा अध्यक्ष एवं आयोग सदस्य श्री टी० एस० नेगी के नेतृत्व में गठित समिति की रिपोर्ट को स्वीकृत करते हुए हाटियों को अनुसूचित जनजाति की मांग को स्वीकृत किया था I
2. वर्ष 1980	केंद्र सरकार द्वारा राष्ट्रीय अनुसूचित जनजाति व अनुसूचित जाति आयोग की सिफारिश अनुरूप हाटियों को उनका अधिकार देने की पहल प्रारम्भ की थी जब पहली बार हिमाचल प्रदेश के राज्य कल्याण आयोग को इस सन्दर्भ हेतु पत्राचार प्रारम्भ किया था I
3. सितम्बर, 1983	केंद्रीय हाटी समिति गिरिपार क्षेत्र का गठन
4. सितम्बर, 1985	केंद्रीय हाटी समिति का सभाएं पंजीकरण अधिनियम XXI , 1860 के तहत पंजीकरण
5. 5 दिसंबर, 1992	सात सदस्यी कन्हैया लाल समिति की रिपोर्ट प्रस्तुत जिसमें हाटी की मांग शीघ्र पूरा करने की सिफारिश की गई
6. वर्ष 1996	डॉ० एस० के० गुप्ता के नेतृत्व में छह सदस्यी समिति की हाटी के सन्दर्भ में रिपोर्ट प्रस्तुत
7. वर्ष 2002	तत्कालीन संसदीय कार्य मंत्री श्री जगत प्रकाश नड्डा द्वारा सदन में हटियों को जनजाति का दर्जा देने हेतु सरकार के संकल्प को दोहराया
8. वर्ष 2010	केंद्र सरकार के निर्देशन में जिला कल्याण अधिकारी द्वारा हाटी समुदाय की सभी 14 जातियों की जनसंख्या का विवरण प्रस्तुत किया गया I

9. वर्ष 2011	भारत के तत्कालीन प्रधान मंत्री श्री मनमोहन सिंह से हाटी शिष्ट मंडल की भेंट तथा हिमाचल में जनजाति शोध संस्थान स्थापित करने के उद्देश्य से पांच लाख रूपये की राशी जारी
10. वर्ष 2012	तत्कालीन मुख्यमंत्री श्री प्रेम कुमार धूमल द्वारा हि०प्र० वि० वि० के जनजाति शोध अध्ययन संस्थान के निदेशक को हटियों के सामाजिक-सांस्कृतिक व एथ्नोग्रफिक अध्ययन पश्चात् विस्तृत रिपोर्ट देने का आदेश
11. वर्ष, 2015	हिमाचल प्रदेश के तत्कालीन मुख्यमंत्री स्वर्गीय श्री वीरभद्र द्वारा हिमाचल मंत्रिमंडल कीअनुशंसा के पश्चात् सम्पूर्ण गिरिपार क्षेत्र के हाटियों को जनजाति घोषित करने की अनुशंसा
12. 5 मार्च, 2022	विधानसभा में मुख्यमंत्री श्री जयराम ठाकुर जी से बैठक
13. 13 अप्रैल, 2022	आर० जी० आई० की सहमती रिपोर्ट
14. 24 अप्रैल, 2022	श्री जयराम ठाकुर जी साथ गृहमंत्री श्री अमित शाह जी से मुलाकात
15. 14 सितम्बर, 2022	केंद्रीय मंत्रिमंडल की मंजूरी
16. 16दिसंबर, 2022	लोक सभा में हाटी जनजाति विधेयक ध्वनिमत से पारित
17. 26 जुलाई, 2023	राज्य सभा में हाटी जनजाति विधेयक धवनी मत से पारित
18. 4 अगस्त, 2023	राष्ट्रपति की स्वीकृति उपरान्त राजपत्र भारत सरकार में प्रकाशित

19. 7 अगस्त, 2023	डायरेक्टर ट्राइबल डेवेलपमेंट हिमाचल प्रदेश के साथ बैठक
20. 22अगस्त, 2023	केंद्रीय जनजाति मंत्रालय का हिमाचल सरकार को हाटी जनजाति (संविधान संशोधन) अधिनियम को लागू करने की अनुशंसा
21. 23सितंबर, 2023	हिमाचल सरकार द्वारा केंद्र सरकार से हाटी जनजाति (संविधान संशोधन) अधिनियम को लागू करने सम्बन्धी स्पष्टीकरण हेतु पत्राचार
22. 3 नवम्बर, 2023	हिमाचल सरकार द्वारा केंद्र सरकार को अनुस्मारक पत्र
23. 6 नवम्बर, 2023	हाटी जनजाति के प्रमाण पत्र बनाने के सन्दर्भ में cutoff date के स्पष्टीकरण हेतु केंद्र सरकार को दुबारा पत्र, सचिवालय में बैठक, हिमाचल सरकार द्वारा हाटी जनजाति अधिनियम लागू न करने के कारण नाहन में रोष रैली
24. 30 दिसंबर, 2023	केंद्र सरकार से स्पष्टीकरण पत्र हिमाचल सरकार को प्रेषित
25. 1 जनवरी 2024	हिमाचल सरकार का जिला उपायुक्त को हाटी जनजाति अधिनियम को लागू करने सम्बन्धी पत्र
26. 3जनवरी, 2023	अनुसुचित जनजाति संरक्षण समिति द्वारा हिमाचल उच्च न्यायालय में हाटी जनजाति अधिनयम के विरुद्ध रिट पेटिशन दायर
27. 4 जनवरी, 2024	हिमाचल उच्च न्यायालय द्वारा अधिनियम को लागू करने पर स्टे

हाटियों द्वारा आयोजित खुमल़ियों का विवरण

1.	29 अप्रैल 2018	पांवटा साहिब में।
2.	30 सितंबर 2018	अन्धेरी (संगड़ाह) में।
3.	12 जनवरी 2021	हाटी समुदाय को जनजाति का संवैधानिक अधिकार दिलाने के लिए गिरिपार क्षेत्र की 102 पंचायतों में प्रस्ताव पारित किए गए जिन्हें एक साथ प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी, केंद्रीय जनजातीय मंत्री श्री अर्जुन मुंडा और हिमाचल प्रदेश के मुख्यमंत्री श्री जयराम ठाकुर को भेजे गए।
4.	25 दिसंबर 2021	गिरिपार क्षेत्र की लगभग सभी पंचायतों में एक साथ।
5.	1 जनवरी 2022	लादी क्षेत्र के केंद्र रोनहाट में।
6.	26 फरवरी 2022	शिलाई में।
7.	6 मार्च 2022	नोरी(राजगढ़) में।
8.	17 अप्रैल 2022	संगड़ाह में।
9.	11 जुलाई 2022	कमरऊ में।
10.	31 जुलाई 2022	टोंरु (आंजभोज) में।
11.	21 अगस्त 2022	रेणुका में महा खुमल़ी।